antim yatra:arunjaity.qxd 9/26/2010 7:40 PM Page 56

चित्रकूट: नानाजी की तेरहवीं में नानाजी के सहयोगी रहे आर.वी. पंडित

चित्रकूट: तेरहवीं में नानाजी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित करती डा. नंदिता पाठक

थे, इसलिए उनके आदर्श को अपनाते समय इस बात पर ध्यान देने की जरूरत है। नानाजी शुरू से ही सबसे संपर्क कायम रखने के मामले में काफी धनी थे, इसलिए समग्र परिवर्तन के वाहक बन सके। सांसद अनिल माधव दवे ने कहा कि देश ने नानाजी की प्रतिभा एक राजनीतिज्ञ के रूप में भी देखी और एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में भी उनको लोगों ने प्रणाम किया।

इसको पुख्ता किया केंद्रीय कृषि मंत्री शरद पवार ने। उन्होंने कहा कि देश में परिवर्तन की लहर पैदा करने में नानाजी ने जो भूमिका निभाई थी, उसका असर मेरे मन में आज भी है। भाजपा नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी, पार्टी अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी, समाजवादी नेता श्री सुरेंद्र मोहन, गांधीवादी चिंतक श्री विमल प्रसाद व कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बी.एस. येदियुरप्पा ने नानाजी के साथ बिताए क्षणों को याद किया। विचारक श्री के.एन. गोविंदाचार्य व मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमा भारती ने नानाजी के साथ बिताए क्षणों को याद कर उनके प्रयोग और पहल का सारगर्भित पक्ष सबके समक्ष रखा। नानाजी के प्रसंशक मशहूर भजन गायक अनूप जलोटा ने नानाजी को श्रद्धांजलि देकर अपने भजनों से इस प्रेरणादायी माहौल में आध्यात्मिक शांति बिखेरी।

इधर दिल्ली नानाजी की श्रद्धांजलि की गवाह थी, तो उधर कर्मस्थली चित्रकूट में नानाजी को श्रद्धांजलि का क्रम जारी था। हिंदू विधि-विधान के साथ नानाजी की दसवीं और तेरहवीं की क्रियाएं यहां संपन्न की गईं। 9 मार्च को शुद्धि (दसवीं) संस्कार में डा. भरत पाठक सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं व आसपास के ग्रामवासियों ने पिंडदान से लेकर तमाम औपचारिकताएं पूरी कीं। चित्रकूट में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक सिंहल ने कहा कि नानाजी ने महात्मा गांधी का अनुसरण करते हुए उनकी ग्राम स्वराज की परिकल्पना को मूर्त रूप में उतारा।

यह नानाजी की तपस्या का ही परिणाम था कि लोग चित्रकूट की तरफ खिंचे आ रहे थे। 12 मार्च को नानाजी की तेरहवीं में मानों चित्रकूट में पूरा देश ही वहां उमड़ पड़ा। उसे देखकर हरेक ने महसूस किया कि नानाजी के चुंबकीय व्यक्तित्व का घनत्व समूचे देश में है जिसकी धुरी चित्रकूट बनी क्योंकि नानाजी ने ऐसा वरसों पहले तय कर लिया था। संघ नेताओं में श्री सुरेश सोनी व श्री मदनदास देवी के अलावा भाजपा नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी, श्री राजनाथ सिंह, श्री शिवराज सिंह चौहान समेत कई नेता नानाजी की तेरहवीं में हिस्सा लेने के लिए चित्रकूट पहुंचे और नानाजी को श्रद्धांजलि देकर सभी ने ग्रामवासियों के साथ पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया।

चित्रकूट में एक बार फिर शोकसभा की गई जिसे प्रेरणा सभा कहना ज्यादा श्रेयष्कर होगा क्योंकि नानाजी के संपूर्ण व्यक्तित्व में शोक नाम की कोई चीज नहीं थी। वह सुख-दुख से परे थे। सभी नेताओं ने काफी समय आयोजन स्थल पर गुजारा और अपने अंतर्मन में नानाजी की अनुभूति महसूस करते रहे। इस पवित्र स्थल पर उन्होंने राजनीति पर चर्चा करने से परहेज रखा। अपने मानस पटल को कुरेदते हुए श्री आडवाणी ने बताया कि विभाजन के बाद जब वह इस देश में आए, तब जनसंघ की स्थापना हो चुकी थी। तब मैं पंडित दीनदयाल और नानाजी का ही नाम हर तरफ सुना करता था। वहां का माहौल देखकर कोई भी अंदाजा लगा सकता था कि आज भी नानाजी का नाम हर तरफ है। कर्मयोगी व द्रष्टा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के साथ नानाजी ने अपने को ऐसा जोड़ा कि आजीवन उनके पूरक होकर रह गए।

इस अवसर पर किया गया विशाल भंडारा भी एक मिसाल बना जिसने समूचे चित्रकूट को अपनी ओर खींच लिया। सुरेंद्रपाल ग्रामोदय विद्यालय का खेल मैदान दिन भर अतिथियों का स्वागत करता रहा। दोपहर से शाम तक हजारों लोगों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। अगर हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया तो इसकी व्यवस्था भी उन्हीं ग्रामवासियों ने की जिनका भविष्य उज्ज्वल बनाने के लिए नानाजी ने स्वयं को तपाया था। भोजन बनाने के लिए 2500 महिला-पुरुष स्वप्रेरणा से गांवों से आए, भोजन वितरण हेतु 12 घंटे चित्रकूट के शैक्षणिक एवं सामाजिक संस्थानों ने जिम्मेदारी लेकर अनवरत कार्य किया। लोग अपने-अपने घरों से वे भोजन सामग्री लेकर आए थे।

प्रसाद ग्रहण कर नानाजी के मानस पुत्रों ने उन्हें सनातन ढंग से अंतिम विदाई दी और एक नए दिव्य रूप में नानाजी का स्वागत किया जो नानाजी को हमेशा चित्रकूट में रखेगा फिर चित्रकूट की परंपरा भी अपनाने की है, छोड़ने की नहीं। ऐसे नानाजी को शत-शत प्रणाम, सबके अंतर्मन से यही प्रकट हो रहा था। ऐसे राष्ट्र ऋषि को बार-बार प्रणाम। ■

उत्तर प्रदेश के ग्राम विकास मंत्री दद्दू प्रसाद तेरहवीं के अवसर पर नानाजी को श्रद्धांजलि देने चित्रकूट पहुंचे

चित्रकूट: तेरहवीं के भोज में सम्मिलित साधु-समाज